मौसम बदनली है तो फसल प्रभावित होती है
पंचायत प्रतिनिधि बदलती है तो पंचायत प्रभावित होती है।
बाढ़ आती है तो महिला परेशान होती है
सुखार आती है तो फसल नष्ट होती है।
वर्मी कम्पोसट बनवाएंगे
मिट्टी में उपज शक्ति बढ़ाएगें।
ताल तलैया को पानी से भरवाएगें।

–रागिनी कुमारी

As climate change affects the crops
A new woman in the panchayat energises the team.

The floods give us women trouble
While drought reduces our crops to rubble

But the women are not weak
With vermi-compost we will make more fertile soil
And to fill our ponds with water, we will toil

Ragini Kumari

मैने ये तो जाना है,
जलवायु परिवर्तन होते है।
सारे मौसम अलबेले है,
जो इधर–उधर हो जाते है।
पुरूष पलायन कर जाते है,
महिला बोझ उठाती है।
दूर–दूर से पानी लाना,
भोजन दवा वस्त्र जुटाना।
सब के स्वास्थय पर ध्यान है देना,
खुद भूखे सो जाना है।
जिम्मेवारी से मुक्त हो कर मालिक पुरूष कहलाता है,
जिम्मेवारी का बोझ उठाकर महिला शोषित हो जाती है।

–चन्०रेखा मिश्रा

I learnt, the climate changes
The seasons undulate
Men – they migrate

While the woman is left alone to bear the burdens
of providing food and water
clothes and shelter

She looks after her brood
and sleeps without a morsel of food

Yet man is the lord and master - family-head
The woman bears all and a quiet tear is shed

Chandrarekha Mishra